तैयारी | केवल प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग होगा, रसायनों पर रहेगी पाबंदी, सौर ऊर्जा से ही सारे पारिस्थितिकी गांव जगमगाएंगे

यूपी के 260 गांव बनेंगे ईको विलेज, होगी प्राकृतिक खेती

■ अजीत कुमार

लखनऊ। प्रदेश के 260 गांवों को ईको विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। चयनित ईको विलेज (पारिस्थितिकी गांव) में सिर्फ प्राकृतिक खेती होगी। रसायनों का प्रयोग नहीं होगा।

ईको विलेज में केवल प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग होगा और सौर ऊर्जा से ही सारे ईको विलेज जगमगाएंगे। रिसाइकिल तकनीक से जल संरक्षण किया जाएगा, जिसे सिंचाई से लेकर पेयजल तक में इस्तेमाल किया जाएगा। सभी चयनित ईको विलेज को पर्यटन ग्राम (टूरिस्ट विलेज) के रूप में भी विकसित करने की योजना है, लिहाजा सभी को मुख्य मार्गों से जोड़ा जाएगा। सरकार ने परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत पूर्वांचल के 170 से अधिक गांवों समेत विन्ध्य एवं बुंदेलखंड के भी करीब 92 गांवों को ईको विलेज के रूप में विकसित करने के लिए चिन्हित किया है। इनमें ज्यादातर गांव प्रदेश की प्रमुख नदियों मसलन, गंगा, राप्ती, घाघरा-सरयु तथा बेतवा के किनारे के हैं।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर लोगों की जीवनशैली में सुधार लाना और पर्यावरण को उसके मूल स्वरूप में बनाये रखकर उसकी रक्षा करना है। ईको विलेज योजना में प्राकृतिक खेती को मुख्य घटक के रूप में रखा गया है और रसायनिक उर्वरक, कीटनाशक एवं अन्य घातक रसायनों के प्रयोग को पूर्णतः प्रतिबन्धित किया गया है ताकि उनमें मिट्टी, जल और वायु की गुणवत्ता बनी रहे।

92 गांव ईको विलेज के रूप में चिन्हित किए गए

ये होंगे मुख्य आकर्षण

पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली, सामुदायिक विकास तथा पर्यटन।

प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण की मिलेगी सुविधा

ईको विलेज में किसानों के लिए प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण की सुविधा मुहैय्या कराई जाएगी। किसानों को देशी गाय का पालन कर उससे प्राकृतिक खेती करना सिखाया जाएगा। साथ ही इसके मुख्य निवेश बीजामृत, जीवामृत, धनजीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्नियास्त्रसोठास्त्र, सप्तधान्यांकुर, पंचगव्य, खट्टी छाछ तथादशपर्णी बनाने के तरीके भी सिखाये जाएंगे।

इन गांवों में एग्री पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा

खेती-बाड़ी से विमुख होती नई पीढ़ी को प्रकृति के नजदीक लाने तथा उन्हें खेती की तकनीक से अवगत कराने के साथ-साथ उन्हें विभिन्न फसलों की किस्मों की जानकारी देने के लिए ईको विलेज में एग्री टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाएगा। नई पीढ़ी को ईको विलेज में कृषि से जुड़े ज्ञान के साथ मनोरंजन से जोड़ने के लिए वहां तालाबों में मत्स्य पालन कर उसमें मछली मारने की सुविधाएं मुहैय्या कराई जाएगी।